मान्यवर ,
हमें इस बात की घोषणा करते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कि आगामी 06 अप्रैल 2024 को हिन्दी विभाग, आदर्श महाविद्यालय घैलाढ.-जीवछपुर मधेपुरा, के तत्वाधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सुनिश्चित है। इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ शामिल होंगे। संगोष्ठी का विषय "राष्ट्र निर्माण में साहित्य एवं समाज की भूमिका" निर्धारित किया गया है। संगोष्ठी में मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं अन्य संकायों के शोधार्थी , विद्यार्थी एवं शिक्षक विषय से संबंधित आलेख प्रस्तुत कर सकेंगे। इस संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित है।

विषय - वस्तु

भारतीय साहित्य दर्शन में कवि – साहित्यकार को सृजनकर्त्ता की संज्ञा दी गई है। साहित्यकार अपनी रचनाओं के माध्यम से नया संसार गढ़ने का कार्य करता है। वह संसार, राष्ट्र से पृथक नहीं होता। उस संसार में देश की माटी की सोंधी सुगंध होती है। कुएं के पानी की मिठास होती है। अन्नदाता किसानों की पुकार होती है। स्त्री, दलित, आदिवासी, हाशिये के समाज की दास्तान होती है। वैज्ञानिकों के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने की ऊंची उड़ान होती है। होली, दिवाली, ईद, लोहड़ी, ओणम का उमंग एवं उल्लास भी होता है। साहित्य में देश के प्रति प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना भरने की बड़ी सोच होती है। राष्ट्र सर्वोपरि के भाव के साथ साहित्य, राष्ट्र के निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाने का कार्य करता है। साहित्य और समाज हमेशा एक दूसरे से प्रभावित होते रहे हैं। साहित्य, समाज को नई राह भी दिखाता है। राष्ट्र की उन्नति और प्रगति में योगदान देने के लिए साहित्य समाज को प्रेरित करता है। देश प्रेम की भावना के सामूहिक प्रयत्नों से सबल राष्ट्र का निर्माण होता है। आदिकाल से लेकर देश की आजादी के समय और आज के वैश्वीकरण के समय में भी साहित्य का समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर कर समाज के सामने रखने में साहित्य की अहम भूमिका रही है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में साहित्य और समाज अपना योगदान दे रहे हैं। आइए, इस संगोष्ठी के माध्यम से साहित्य और समाज के इसी योगदान को जानने-समझने का एक प्रयास करते हैं।

उप - विषय

(01) राष्ट्रनिर्माण में साहित्यकारों की भूमिका
(02) राष्ट्र निर्माण में हिन्दी साहित्य का योगदान
(03) स्वतंत्रता आन्दोलन में हिन्दी साहित्यकारों का अवदान
(04) साहित्य में राष्ट्र निर्माण की अवधारणा
(05) राष्ट्र निर्माण में हिन्दी कथा साहित्य की भूमिका
(06) साहित्य एवं समाज का अंतर्संबंध
(07) हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के तत्व
(08) राष्ट्र निर्माण में हिन्दी कविता की भूमिका
(09) राष्ट्र निर्माण की अवधारणा और स्त्री साहित्य
(10) राष्ट्र निर्माण की अवधारणा एवं बहुजन साहित्य
(11) राष्ट्र निर्माण की अवधारणा एवं दलित साहित्य
(12) राष्ट्र निर्माण की अवधारणा एवं आदिवासी साहित्य
(13) राष्ट्र निर्माण का ऐतिहासिक संदर्भ
(14) राष्ट्र निर्माण का सामाजिक संदर्भ
(15) राष्ट्र निर्माण का सांस्कृतिक संदर्भ

उपर्युक्त विषयों से संबंधित किसी विषय पर या मूल विषय से संबंधित किसी विषय पर शोध - सार 200 से 250 शब्दों में भेजे जा सकते हैं। शोध - सार यूनिकोड (वर्ड फाइल) में दिनांक 20 मार्च 2024 तक ही स्वीकृत किये जायेंगे।

संपर्क पदाधिकारी

प्रो० अशोक कुमार
विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग)
8678054465

प्रो० देवेन्द्र कुमार
सहायक प्राध्यापक
9801507134

प्रो० मनोज कुमार
सहायक प्राध्यापक
8676905945

डॉ० अनन्त कुमार
विभागाध्यक्ष जन्तु विज्ञान
9162895868

प्रो० भुवनेश्वरी प्र० यादव
विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र
9931137774

प्रो० किशोर कुमार
विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान
9430029352

9162895868
anantkumarmad1966@gmail.com

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक – 06 अप्रैल 2024

राष्ट्र निर्माण में साहित्य एवं समाज की भूमिका

आदर्श महाविद्यालय, घैलाढ़ - जीवछपुर, मधेपुरा

पंजीकरण प्रपत्र

नाम - _____
पता - _____
शोध - सार का विषय - _____
पदनाम - _____
मो० नं - _____
ई-मेल - _____

संगोष्ठी में पंजीकृत प्रतिभागियों के स्तरीय शोध-सारांश स्मारिका में प्रकाशित किए जायेंगे। विद्यार्थियों को शोध-सारांश जमा करने की आवश्यकता नहीं है। पंजीकरण हेतु शुल्क विवरण इस प्रकार हैं-
छात्र : ₹300/-
शोधार्थी : ₹500/-
शिक्षक एवम् अन्य : ₹800/-
शुल्क ऑनलाइन / ऑफलाइन पंजीकरण के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं।

खाता विवरण

Bank Name : - State Bank of India
A/c Name : - Adarsh College Ghailarh - Jiwachpur
A/c No. :- 42684570810
IFSC Code :- SBIN0009242

महत्वपूर्ण निर्देश

- ऑनलाइन शुल्क जमा करने के बाद उसका स्क्रीनशॉट एवं पंजीयन प्रपत्र व्हाट्स एप नंबर 9430029352 पर भेजना सुनिश्चित करेंगे।
- ऑफलाइन पंजीयन हेतु श्री देवेन्द्र कुमार से 9801507134 नंबर पर संपर्क करें।
- प्रतिभागी महाविद्यालय के शिक्षक प्रकोष्ठ में 11 AM & 2 PM दोपहर तक अपना पंजीयन करवा सकते हैं।
- प्रतिभागी अपना शोध - सारांश के साथ पंजीयन प्रपत्र ईमेल आईडी anantkumarmad1966@gmail.com पर भेजें।

उद्घाटनकर्त्ता

प्रो० (डॉ०) बिमलेन्दु शेखर झा
माननीय कुलपति, भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

मुख्य अतिथि

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव
सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि

प्रो० (डॉ०) जंगबहादुर पाण्डेय
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, राँची विश्वविद्यालय राँची

संरक्षक

प्रो० (डॉ०) आर० के० पी० रमण
माननीय पूर्व कुलपति, भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

प्रो० (डॉ०) नवीन कुमार
डी० एस० डब्ल्यू०, भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

प्रो० (डॉ०) मिहिर कुमार ठाकुर
कुलसचिव, भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

डॉ० बिश्वनाथ विवेका
कुलानुशासक, भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

प्रो० (डॉ०) नरेश कुमार
निदेशक, आई० क्यू० ए० सी०, भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

प्रो० श्यामल किशोर यादव
संस्थापक प्रधानाचार्य, भू० ना० मं० वा० महा० सा० मधेपुरा
सह अध्यक्ष, शासी निकाय आदर्श महाविद्यालय घैलाढ़-जीवछपुर, मधेपुरा

डॉ० उपेन्द्र प्र० यादव
संस्थापक प्रधानाचार्य,आदर्श महाविद्यालय घैलाढ़-जीवछपुर, मधेपुरा

डॉ० परमानन्द यादव
पूर्व प्रधानाचार्य, ठा० प्र० महा० मधेपुरा

प्रो० (डॉ०) के० पी० यादव
पूर्व प्रधानाचार्य, ठा० प्र० महा० मधेपुरा

प्रो० (डॉ०) पी० एन० पीयूष
पूर्व प्रधानाचार्य, भू० ना० मं० वा० महा० सा० मधेपुरा

डॉ० कामेश्वर कुमार
पूर्व विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र विभाग भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

डॉ० डी० एन० मेहता
उप कुलसचिव (पंजीयन) भू० ना० मं० वि० वि०, मधेपुरा

डॉ० अरविन्द कुमार
प्रधानाचार्य, भू० ना० मं० वा० महा० सा० मधेपुरा

डॉ० मिथिलेश कुमार अरिमर्दन
विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, ठा० प्र० महा० मधेपुरा

प्रो० के०पी० यादव
पूर्व प्रधानाचार्य सह सचिव, बी०एस० कॉलेज, सिमराहा,सहरसा

ई० प्रणव प्रकाश
सचिव, शासी निकाय, आदर्श महाविद्यालय घैलाढ़-जीवछपुर, मधेपुरा

आमंत्रित विषय - विशेषज्ञ

प्रो० (डॉ०) विनय कुमार चौधरी
पूर्व संकायाध्यक्ष (मानविकी),
भू० ना० मं० वि० वि० मधेपुरा

डॉ० सीताराम शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,
भू० ना० मं० वि० वि० मधेपुरा

डॉ० सिद्धेश्वर कश्यप
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, पी० जी० सेंटर, सहरसा

प्रो० (डॉ०) वीर किशोर सिंह
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, पी० जी० सेंटर, सहरसा

प्रो० (डॉ०) उषा सिन्हा
पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
भू० ना० मं० वि० वि० मधेपुरा

डॉ० वीणा कुमारी
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, ठा० प्र० महा०, मधेपुरा

डॉ० शेफालिका शेखर
हिन्दी विभाग, भू० ना० मं० वा० महा० मधेपुरा

डॉ० सोनम सिंह
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
विद्या मंदिर, महिला महाविद्यालय कानपुर (उत्तर प्रदेश)

अध्यक्ष

प्रो० अरूण कुमार
प्रधानाचार्य आदर्श महाविद्यालय घैलाढ़-जीवछपुर, मधेपुरा

सयोजक

डॉ० अनन्त कुमार
विभागाध्यक्ष जन्तु विज्ञान सह कोर्डिनेटर आई० क्यू० ए० सी०,
आदर्श महाविद्यालय घैलाढ़-जीवछपुर, मधेपुरा

सह संयोजक

प्रो० अशोक कुमार, प्रो० देवेन्द्र कुमार, प्रो० मनोज कुमार
हिन्दी विभाग आदर्श महाविद्यालय घैलाढ़-जीवछपुर, मधेपुर

आयोजन समिति

आदर्श महाविद्यालय परिवार
घैलाढ़-जीवछपुर, मधेपुरा

B.D.Press.in

राष्ट्रीय संगोष्ठी

06 अप्रैल 2024

समय - पूर्वाह्न 10 : 00 आपराह्न- 05 : 00 बजे तक

राष्ट्र निर्माण में साहित्य एवं समाज की भूमिका

आयोजक

आदर्श महाविद्यालय
घैलाढ़ - जीवछपुर, मधेपुरा
भू० ना० मंडल विश्वविद्यालय, लालूनगर, मधेपुरा, द्वारा स्थायी संबंधन प्राप्त

सहयोग

आई० क्यू० ए० सी०